**दालों की प्रति व्यक्ति उपलब्धता**

*129. **श्री राम जेठमलानी :**
**सरदार अजीत सिंह अरोड़ा :**

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में दालों की प्रति व्यक्ति उपलब्धता में उत्तरोत्तर कमी हुई है;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1950-51 में दालों की प्रति व्यक्ति उपलब्धता कितनी थी और वर्ष 1988-89 में इसकी प्रति व्यक्ति उपलब्धता कितनी है;

(ग) क्या यह भी सच है कि देश में दालों की खपत देखते हुए दालों के आयात पर व्यय की जाने वाली राशि वर्ष 1990-91 में 500 करोड़ रुपये हो जाने की संभावना है; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार ने देश में दालों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए कोई ठोस कार्यक्रम बनाया है और यदि हां, तो इस संबंध में लक्ष्य क्या है और उसका ब्यौरा क्या है ?

**कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री शान्तीलाल वीरचन्दभाई शाह) :** (क) जी, हां। वर्ष 1989 को छोड़कर जबकि 1988 के 33.1 ग्राम से बढ़कर प्रति व्यक्ति प्रति दिन उपलब्धि 40.4 ग्राम हुई थी।

(ख) 1951 में दालों की प्रति व्यक्ति प्रति दिन उपलब्धि 60.7 ग्राम और 1989 में 40.4 ग्राम थी।

(ग) 1990 में अप्रैल से सितम्बर तक की अवधि के लिए आयात अनुमानत: 3.63 लाख मीटरी टन अस्थायी रूप से रहा है जिसका मूल्य 219.86 करोड़ रहा है। चालू वर्ष के दौरान आयात का सावधानीपूर्वक मानिटर किया जा रहा है और दालों के देशी उत्पादन को ध्यान में रखते हुए आयात किया जायेगा।

(घ) दालों के उत्पादन में वृद्धि करने के लिए निम्नलिखित केन्द्रीय प्रायोजित/केन्द्रीय क्षेत्र योजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं;

1. राष्ट्रीय दलहन विकास परियोजना

2 विशेष खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम —दलहन

योजना में एक दोहरे दृष्टिकोण को अपनाये जाने की व्यवस्था है :

(1) बहुसस्य पद्धति के माध्यम से क्षेत्र में वृद्धि करना; और

(2) प्रति इकाई क्षेत्र की उत्पादकता में वृद्धि करना। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत कृषकों को बीजों के लिए सहायता देने, मिनिकिटों का वितरण करने, प्रदर्शनों का आयोजन और पौध रक्षण उपाय अपनाने की व्यवस्था है। जुलाई, 1990 में सरकार ने दालों को प्रौद्योगिकी मिशन के अंतर्गत लाने का निर्णय लिया ताकि तीव्रता से और केन्द्रित रूप में विकास प्राप्त किया जा सके। 1990-91 के लिए 150 लाख मीटरी टन (खरीफ: 55 और रबी: 95 लाख मीटरी टन) का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

**Strengthening of the Public Distribution System**

•130. SHRI HARVENDRA SINGH HANSPAL;

SHRI GHUFRAN AZAM: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) whether Government have recently decided to take steps to stren gthen the Public Distribution System in the country;

(b) if so, the details of the steps taken to strengthen the Public Distribution System in the country so far;

(c) whether instructions have been issued to State Governments to follow the guidelines for strengthening the Public Distribution System;